एक नजर में

घायल को अस्पताल पहुंचाने पर मिलेगी राशि

उज्जैन। सड़क दुर्घटना में पीड़ित घायल व्यक्ति के सही समय पर अस्पताल न पहुंचने के कारण घायल व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में आम नागरिकों को यह भय रहता है कि वे भी पुलिस कार्यवाही के भागी बन जाएंगे अर्थात घायल को अस्पताल पहुंचाने की मदद करने वाले व्यक्ति से पुलिस द्वारा पूछताछ की जाएगी। इस कारण आम नागरिक चाहते हुए भी पुलिस कार्रवाई के भय से सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल में ले जाने से कतराते है किन्तु ऐसा नहीं है। सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार हेतु अस्पताल लाने वाले राहवीर को राशि 25,000/रुपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करने का प्रावधान है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उज्जैन द्वारा बताया कि शासन द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में त्वरित उपचार कराने के उद्देश्य से गुड सेमेरिटन योजना लागू की गई है। ताकि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से पीड़ित को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन स्वरूप राशि प्रदान की जा सकें। इस योजनांतर्गत सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को राहवीर की परिभाषा में शामिल किया गया है। सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार हेतु अस्पताल लाने वाले राहवीर को राशि 25,000/- रुपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करने का प्रावधान है। इस योजना से सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल व्यक्ति का त्वरित उपचार संभव हो सकेगा, वहीं प्रोत्साहन राशि 25,000/रुपए के कारण नवयुवा एवं आम आदमी पीड़ित की मदद के लिए तत्पर रहेंगे, जिससे सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति की जान भी बचेगी। सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु दर में कमी परिलक्षित हो सकेगी।

नि :शुल्क शव वाहन सेवा मिलेगी

उज्जैन। राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु उपरांत मृतक के निवास स्थल, शमशान घाट तक नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से शव वाहन सेवा का संचालन प्रारंभ किया गया है। योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के शासकीय अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु होने पर मृतक को सम्मानपूर्वक अपने परिजनों को सुपुर्द कर नि:शुल्क उनके निवास स्थल तक पहुंचाना है। राज्य शासन द्वारा जिला उज्जैन के लिए 04 शव वाहन प्रदान किए गए हैं। चारों शव वाहन चौबीस घंटे जिला चिकित्सालय उज्जैन, चरक भवन में उपलब्ध रहेंगे। शव-वाहन द्वारा शासकीय स्वास्थ्य संस्था से मृतक के निवास स्थल, शमशान घाट तक नि:शुल्क परिवहन किए जाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। शव वाहन द्वारा शासकीय स्वास्थ्यश वाहन संचालन केवल जिले की सीमा के अंदर किया जाएगा। निजी चिकित्सालयों, निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शव वाहन उपलब्ध कराए जाने की पात्रता नहीं होगी। शव वाहन संचालन केवल जिले की सीमा के अंदर किया जाएगा। निजी चिकित्सालयों, निवास स्थल एवं अन्यत्र किसी भी स्थान में हुई मृत्यु के प्रकरण में शव वाहन उपलब्ध कराए जाने की पात्रता नहीं होगी। शव वाहन सेवा हेतु संपर्क नंबर, 6269907250 व 6269906944 पर भी कॉल किया जा सकता है।

बंबाखाना व्यापारिक संघ के चुनाव हुए

उज्जैन। उज्जैन शहर के व्यस्ततम व्यवसायीक क्षेत्र बम्बाखाना व्यापारिक संघ के तीन वर्षीय चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष हरुण शर्मा, सभापति अशोक माहेश्वरी, महासचिव कपिल कटारिया, उपाध्यक्ष विमल चौरड़िया, माधव दांतवानी, मनोज आलवानी, सचिव मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष विजय पाटोदी, सह सचिव बाबूलाल नामदेव, प्रवक्ता हेमन्त पावेचा निर्वाचित हुए। संरक्षक बबलू यादव एवं रवि राय बनाये गए। उक्त जानकारी प्रवक्ता हेमन्त पावेचा ने दी।

उपाध्याय दंपति का स्वदेश लौटने पर अभिनंदन

उज्जैन। 12 दिसंबर को सांयकाल 6 बजे होटल अंजू श्री में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय महामंत्री पंडित तरुण उपाध्याय एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज महिला इकाई राष्ट्रीय संरक्षक नम्रता उपाध्याय के इटली ऑस्ट्रेलिया की 111 दिन की विदेश यात्रा से स्वदेश लौटने पर ब्राह्मण समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के संरक्षक पं. सुरेश मोढ पं. जियालाल शर्मा, पं. राजेंद्र गुरु शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेंद्र चतुर्वेदी, कीर्ति मोढ, पं. हेमंत व्यास, सुरेश विजयवर्गीय, मुकेश जोशी, चंद्रशेखर शर्मा, प्रबोध पंड्या, प्रदीप शर्मा, अंजनाय शर्मा रमाकांत शर्मा, शैलेंद्र द्विवेदी, योगेश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, प्रहलाद उपाध्याय, मुकेश व्यास, वीरेंद्र त्रिवेदी, डॉ. राजेंद्र नागर, कमल भावसार, जय सिंह गाडवे, शैलेष दुबे, अर्चना ज्ञानी, वर्षा जोशी, कीर्ति राजेश शर्मा, प्रतिभा जयसिंग गाडवे, इंदिरा विजयवर्गीय, आशिमा निर्वेद उपाध्याय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संचालन ब्राह्मण समाज उपाध्यक्ष शैलेष दुबे ने किया तथा आभार महिला इकाई नगर अध्यक्ष वर्षा जोशी शर्मा ने माना।

मप्र गुजराती सेन समाज ट्रस्ट की बैठक 9 को

उज्जैन। मध्यप्रदेश गुजराती सेन समाज ट्रस्ट के ट्रस्टियों की बैठक 9 दिसंबर मंगलवार को प्रातः 11 बजे से ट्रस्ट कार्यालय शेष नारायण मंदिर 51, ढाबा रोड, उज्जैन पर रखी गई है। ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक चौहान सागोर, कोषाध्यक्ष डॉ गौरीशंकर वर्मा पाडलिया, सचिव शंकरलाल परमार डीकवा, उपाध्यक्ष संतोष वर्मा उज्जैन ने बताया कि ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक राठौर की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में ट्रस्ट की गतिविधियों पर चर्चा होगी। साथ ही समाज हित में किये जाने वाले कार्यों पर चर्चा होगी। समाजहित में निर्णय लिये जाते हैं उक्त महत्वपूर्ण बैठक में समस्त ट्रस्टियों को उपस्थित रहना अनिवार्य है। यह जानकारी ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक चौहान सागोर ने दी।

क्षिप्रा विहार में भूखंडों के लिए अंतिम 2 दिन

उज्जैन। उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा क्षिप्रा विहार योजना में 49 आवासीय भूखंडों को प्राप्त करने हेतु आनलाईन पद्धति से योजना निकाली गई है। उक्त योजना देवास रोड से लगी होकर 45 मीटर सड़क कुशाभाऊ ठाकरे मार्ग पर स्थित है। इस योजना से लगी हुई एमआर 11 सड़क है। यह योजना पूर्ण रूप से विकसित होकर इसमें कई रहवासी निवासरत है। इस योजना में मुख्य रूप से लगभग 3500 वर्गफीट के 08 भूखंड, 2400 वर्गफीट के 30 भूखंड एवं 1500 वर्गफीट के 11 भूखंड पूर्ण पारदर्शिता के साथ आनलाईन पद्धति से विक्रय हेतु निकाले गये है। उक्त योजना में उज्जैन-देवास फोरलेन से सीधे रूप से जुड़े होकर 150 फीट चौड़ी सड़क पर स्थित है साथ ही इस योजना में सर्विस रोड के साथ साथ आंतरिक सड़के, आदि सुविधाएं है। उक्त योजना में हितग्राही आनलाईन पद्धति से http://vikaspradhikaran.mponline.gov.in 5 दिसंबर तक अपना आवेदन करने के साथ ही 8 दिसंबर तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

सितारे जमीन पर, हौंसला आसमान पर, कमजोरी को बनाओ ताकत

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर विशेष कार्यक्रम हुआ, आमिर खान के दोस्त आशीष पेंडसे आकर्षण का केंद्र रहे, अपने जैसा दिव्यांग साथी पाकर दमक उठी प्रेरणा

उज्जैन। फिल्म अभिनेता आमिर खान मेरे दोस्त हैं और वह मेरे आइडियल भी हैं। मैं चाहता हूं कि मेरे जैसे जितने भी बच्चे हैं वह अपनी दिव्यांगता से घबराएं नहीं, डरे नहीं, संकोच नहीं करें आने वाले समय में अपना लक्ष्य बनाकर काम करें। सरकारी प्राइवेट सभी तरह की नौकरी कर सकते हैं, मेरी तरह फिल्मों में काम कर सकते हैं अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस पर यही कहूंगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांग को जो दिव्यांग नाम दिया है उसे हम सार्थक करें।

नवभारत से चर्चा करते हुए यह बात सितारे जमीन पर फिल्म में बाल कलाकार की भूमिका निभाने वाले आशीष पेंडसे ने कही। वह उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कॉसमॉस मॉल पहुंचे थे। जहां पर मनोविकास केंद्र द्वारा एक विशेष आयोजन रखा था जिसमें सभी स्पेशल बच्चे शामिल हुए। पेंडसे ने इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में अच्छा काम कर रही है। आशीष ने दिव्यांगजनों की पेंशन में और सुधार करने की मांग भी रखी। कार्यक्रम में शहर के अनेक सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। खंडवा के रहने वाले आशीष पेंडसे का जीवन संघर्ष और प्रेरणा से भरा है। डाउन सिंड्रोम से ग्रसित होने के बावजूद उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति को कभी अपनी प्रगति में बाधा नहीं बनने दिया। कभी अपने पिता की किराना दुकान पर बैठने वाले आशीष आज वह चेहरा हैं जिसे पूरा देश जानता है।

नवभारत से चर्चा में आशीष बताते हैं कि एक ऑडिशन के दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता सुनाई। उनकी आवाज़ में आत्मविश्वास और आंखों में सपने देख डायरेक्टर और आमिर खान इतने प्रभावित हुए कि उन्हें फिल्म के लिए तुरंत चुन लिया गया। फिल्म की शूटिंग के दौरान आमिर खान ने उन्हें दो साल तक अपने घर में रखा और विशेष प्रशिक्षण भी दिलाया। आज लगभग 40 वर्ष के आशीष पेंडसे सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं और समाज के लिए कुछ करने की इच्छा रखते हैं।

कॉसमॉस मॉल में हुआ आयोजन

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर सोमवार को कॉसमॉस मॉल में आयोजित विशेष समारोह में बॉलीवुड फिल्म 'सितारे ज़मीन पर में अपनी यादगार भूमिका निभाने वाले कलाकार आशीष पेंडसे मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। कार्यक्रम में मनोविकास केंद्र के पदाधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए आशीष पेंडसे ने कहा कि दिव्यांगजन अक्सर सामाजिक उपेक्षा और हिन भावना के कारण अपने भीतर संकोच महसूस करते हैं। लेकिन जरूरत है अपनी चुनौतियों को ही अपनी ताकत में बदलने की। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों से कहा कमजोरी को बोझ मत बनाओ, उसे अपनी ऊर्जा बना लो। हौसला हो तो कोई मंजिल दूर नहीं।

परिवार बना सबसे बड़ी ताकत

आशीष के पिता, जो बैंक में नौकरी करते थे, उन्होंने बेटे का साथ देने के लिए समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली। मां सिंधु हर कदम पर उनके साथ रहीं। परिवार ने कभी उन्हें स्पेशल चाइल्ड का एहसास नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा आत्मविश्वास बढ़ाया उनका भाई पुणे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। फिल्म की शूटिंग के दौरान डाउन सिंड्रोम से ग्रसित कलाकारों के साथ कैसा व्यवहार करना है, इसके लिए पूरी यूनिट आमिर खान से लेकर क्रू मेंबर तक को विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। यह आयोजन न सिर्फ प्रेरणा का स्रोत बना, बल्कि यह संदेश भी दे गया कि प्रतिभा किसी कमी की मोहताज नहीं होती। इच्छाशक्ति, परिवार का साथ और सही अवसर मिल जाए तो कोई भी अपने सपनों को पंख दे सकता है।

बहन के साथ हुई लूट का आरोपी निकला भाई

पुलिस ने घर से बरामद किए रुपए, आज न्यायालय में पेश करेगी पुलिस

उज्जैन। 65 साल की महिला के साथ हुई लूट में सगा भाई आरोपी होना सामने आया है। उसने अकेले साजिश रची थी। 24 घंटे में पुलिस ने गिरफ्तार कर घर से लूट गए रुपए बरामद कर लिए। लूटपाट के समय आरोपी भाई ने बहन के साथ मारपीट की थी जिसके चलते बहन का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

देवास गेट थाना क्षेत्र स्थित हीरामिल की चाल में सोमवार को अंकपत मार्ग पर रहने वाली संपतबाई 65 साल के साथ नकाबपोश बदमाश ने चाकू दिखाकर मारपीट की थी और 50,000 लूट लिए थे। संपतबाई मारपीट में घायल हो गई थी। पुलिस ने चरक अस्पताल में भर्ती कराया था। मामले में प्रकरण दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू की गई थी और हीरामिल क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे देखे गए थे। जिसमें संदिग्ध दिखाई दिया जो संपतबाई का सगा भाई था। शंका के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की तो लूट की वारदात का पर्दाफाश हो गया। भाई देवीलाल दमामी ने ही साजिश रचकर बहन के साथ लूट की थी। देवास गेट टीआई अनिला पाराशर ने बताया कि आरोपी भाई को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर मंगल नगर स्थित घर की अलमारी से पूरे रुपए बरामद कर लिए गए थे। फिलहाल आरोपी से पूछताछ है। आज न्यायालय में पेश किया जाएगा।

रुपए देख बिगड़ गई नीयत

बताया जा रहा है कि बहन संपतबाई ने सोमवार को मकान का काम करने के लिए स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया चिमनगंज क्षेत्र से 4 लाख रुपए निकाले थे। वह अंकपात मार्ग की रहने वाली है, बैंक रुपए निकालने के लिए भाई देवीलाल भी साथ गया था। रुपए देखकर उसे लालच आ गया था वह आर्थिक मंदी से गुजर रहा था जिसके चलते उसमें लूट की साजिश रची थी। लेकिन संपतबाई ने बताया रुपए निकालने के बाद 3 .50 लाख रुपए भाई को दिए जो घर लेकर चला गया था। उसे बाजार जाना था जिसके चलते 50 हजार लेकर अकेली पैदल बाजार जा रही थी। इस दौरान नकाबपोश ने पुजारी का पर्स चुराने का आरोप लगाकर रोक लिया था। जानकारी यह भी सामने आई की वृद्धावस्था होने के चलते और बदमाश के चेहरे पर नकाब बांध होने से वह लूट करने वाले भाई को नहीं पहचान पाई थी।

सीसीटीवी कैमरों से मिला सुराग

महिला के साथ लूट होने और आरोपी के अज्ञात होने पर पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे। वही महिला के आने-जाने का रूट भी ट्रैक किया। इस दौरान भाई की गतिविधियां संदिग्ध दिखाई दी थी जिस पर शंका होते ही उसे हिरासत में लेकर सख्त पूछताछ की गई तो उसने लूट करना कबूल कर लिया। जबकि वहां घायल बहन के साथ अस्पताल में भी मौजूद था वारदात के बाद रुपए घर रखकर वह अस्पताल पहुंच गया था।

विधायक कालूहेड़ा ने किया साइकिलों का नि :शुल्क वितरण

उज्जैन। शासकीय नूतन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंदिरानगर में शासन की योजनानुसार संकुल अंतर्गत विद्यालयों में 66 पात्र विद्यार्थियों को विधायक अनिल जैन कालूहेडा के मुख्य आतिथ्य में क्षेत्रीय पार्षदों क्रमशः दिलीप सिंह परमार, पार्षद वार्ड 5, पंकज चौधरी, पार्षद वार्ड 3 एवं बबीता घनश्याम गौड, पार्षद वार्ड 4, जगदीश पांचाल, शिक्षाविद् अनोखीलाल शर्मा, गिरीश शास्त्री, अशोक गेहलोत की उपस्थिति में नि:शुल्क सायकल वितरित की गई।

विधायक कालूहेड़ा द्वारा सभी विद्यार्थी जिन्हें सायकल का लाभ मिला, सभी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विधायक कालूहेड़ा द्वारा विद्यालयीन स्तर पर शा. नूतन क.उ.मा.वि. इंदिरानगर से विधायक की पाठशाला का शुभारंभ किया गया। विधायक कालूहेड़ा की यह पाठशाला आगामी समय में अन्य विद्यालयों में भी आयोजित होगी। विधायक कालूहेड़ा द्वारा बच्चों से उनकी शिक्षा से संबंधित प्रश्न भी किए गए। सभी बच्चों को मोबाईल के दुष्परिणामों को बताते हुए उन्हें केवल आवश्यकता होने पर ही उपयोग करने की सलाह दी गई। बच्चों को अपने माता-पिता एवं गुरुओं का आदर करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता रखते हुए पौधारोपण के साथ-साथ स्वच्छता कार्य करने की जानकारी भी दी। इस कार्यक्रम में संकुल अंतर्गत आने वाले विद्यालय की प्राचार्य आरती अग्रवाल, प्राचार्य शा. हाईस्कूल, दौलतगंज क्रमांक-2 खिलचीपुर अलका सहस्त्रबुद्धे, प्राचार्य शा. हाईस्कूल ढांचाभवन तनवीर जहां, प्राचार्य शा.उ.मा.वि. भैरवगढ़ ओमप्रकाश राय, प्रभारी प्रा.शा.मा.वि. भैरवगढ एवं संस्था के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। आभार संस्था प्राचार्य डॉ. विवेक तिवारी प्राचार्य शा. नूतन क.उ.मा.वि. इंदिरानगर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.संजीव तिवारी ने किया।

दिव्यांग से मारपीट : जीआरपी पुलिसकर्मी निलंबित

उज्जैन। सोशल मीडिया पर दिव्यांग के साथ पुलिसकर्मी द्वारा मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों द्वारा संज्ञान लिया गया। वीडियो नागदा रेलवे स्टेशन का होने पर मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी की पहचान जीआरपी के प्रधान आरक्षक के रूप में हुई। जिसे अधिकारियों द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामला इस प्रकार था कि नागदा के प्लेटफार्म नंबर 1 से मंगलवार को सुबह एक गाड़ी गुजर रही थी जिसके एसी कोच में बैठे यात्री ने रेलवे स्टेशन पर एक पुलिसकर्मी को दिव्यांग के साथ मारपीट करते हुए देखा तो तुरंत उसका वीडियो बना लिया। वीडियो में पुलिस कर्मी दिव्यांग को थप्पड़ मारने के साथ ही उसे पैरों में पहने जूते से भी पीट रहा था। इस पिटाई के कारण दिव्यांग रोता हुआ भी दिखाई दे रहा था। सोशल मीडिया पर जब यह वीडियो वायरल हुआ तो तुरंत नागदा रेलवे स्टेशन पर हुई इस घटना की जानकारी निकाली गई जिसमें पता चला कि चौकी जीआरपी नागदा पर पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक मानसिंह जब प्लेटफार्म नंबर एक ड्यूटी कर रहा था तो उसने प्लेटफार्म पर सो रहे दिव्यांग के साथ मारपीट की है। वायरल हो रहे वीडियो को जीआरपी एसपी रेल श्री शुक्ला ने तुरंत संज्ञान में लेते हुए मध्य प्रदेश पुलिस रेग्युलेशन के नियम 64 में उल्लेखित सेवा की सामान्य शर्तों का उल्लंघन मानते हुए कार्यवाहक प्र .आर . मानसिंह, चौकी जीआरपी नागदा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रेल पुलिस लाईन इंदौर भेज दिया है। वीडियो में चौकी जीआरपी नागदा में पदस्थ कार्यवाहक प्र .आर . मानसिंह दिव्यांग युवक के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे थे। कार्यवाहक प्र .आर . के इस कृत्य के कारण रेल पुलिस की छवि जनमानस एवं यात्रियों में खराब हो रही थी। इसीलिए जीआरपी एसपी ने कार्यवाहक प्रआर के इस कृत्य को कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता मानते हुए तत्काल कार्रवाई की।

डीजे गाड़ी में आग लगाने वाले बदमाशों का पुलिस ने निकाला जुलूस

उज्जैन। डीजे गाड़ी में आग लगाकर दो भाइयों के साथ मारपीट करने वाले बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर क्षेत्र में जुलूस निकाला। बदमाश पूर्व में भी कई अपराधों को अंजाम दे चुके हैं और कुछ मामलों में फरार चल रहे थे।

आगररोड खिलचीपुर स्थित खंडेश्वर महादेव मंदिर के पास रहने वाला करण पिता मानसिंह पटेल डीजे गाड़ी संचालित करता है। 1 नवंबर की रात में उसने गाड़ी घर के बाहर खड़ी की थी। ढाई बजे के लगभग क्षेत्र के बदमाश चंचल बरगुंडा और अर्जुन बरगुंडा, सूरज बरगुंडा पहुंचे और तोड़फोड़ करने लगे। आवाज सुनकर करण और उसका काका का लड़का गणेश पटेल बाहर आये तो बदमाश दिखाई दिये। उन्हे रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने डीजे गाड़ी में आग लगा दी और जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। चिमनगंज थाना एसआई लक्ष्मण उईके ने बताया कि करण की शिकायत पर बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। मंगलवार रात तीनों बदमाशों को घेराबंदी कर आगर रोड से गिरफ्तार किया गया। जिनका बुधवार दोपहर क्षेत्र में जुलूस निकाला गया। बदमाश पूर्व में भी मारपीट और डराने धमकाने के मामले में फरार चल रहे थे। बदमाशों के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज है जिन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

अखाड़ा विवाद... सिंहस्थ-28 से पहले साधुओं में झगड़ा, शैव-वैष्णव अखाड़े दो दलों में बंटे

रामादल पर अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज बोले-मारपीट हो सकती है

नवभारत न्यूज

उज्जैन। स्थानीय अखाड़ा परिषद के भंग होने के बाद बने रामादल के साधु-संतों ने बुधवार को कहा कि वे सिंहस्थ को लेकर प्रशासन से मिलते रहेंगे। इधर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज का कहना है कि अब इन साधु-संतों ने कोई गड़बड़ की तो स्थिति मारपीट तक पहुंच सकती है। उज्जैन में सिंहस्थ 2028 से पहले शैव व वैष्णव अखाड़ों से जुड़े साधु-संत दो दलों में बंट गए है।

विवाद दत्त अखाड़े में बैठक के बाद शुरू हुआ जब स्थानीय अखाड़ा परिषद में शैव अखाड़ों के संतों ने अपने पद से इस्तीफे दे दिए। उनका मत था कि देशभर में 13 अखाड़ों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ही अधिकृत है। लेकिन उज्जैन में कुछ आश्रमों से जुड़े साधु-संतों ने शासन-प्रशासन में वर्चस्व कायम रखने के लिए स्थानीय अखाड़ा परिषद का गठन कर दिया था। परिषद भंग के बाद वैष्णव संतों ने बैठककर रामादल का नया गठन कर लिया तो अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने शासन-प्रशासन को पत्र लिखकर कहा कि सिंहस्थ संबंधी विषय के लिए साधु-संत निजी रूप से मिल सकते हैं लेकिन किसी भी संगठन के बैनर पर नहीं। इसे लेकर रामादल के नए अध्यक्ष रामेश्वर दास महाराज ने बुधवार को मीडिया से कहा कि वे सिंहस्थ से जुड़े कार्यों और संतों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन से मिलना जारी रखेंगे।

संन्यासी में भारी रोष, रामादल निजी कार्यों के लिए प्रशासन से मिलेगा

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पूरी महाराज ने कहा कि आश्रमों से जुड़े साधुओं का भी वे सम्मान करते हैं। लेकिन उन्होंने जिस प्रकार से बयानबाजी की वह गलत है। उन्होंने कहा था कि सन्यासियों के साथ बैठकर भोजन करना भी उचित नहीं है। यह बात उन संतों को शोभा नहीं देती है। लेकिन इसे लेकर अब संन्यासी साधुओं में रोष है। और आगे अब इन संतों ने कुछ भी कहा तो स्थिति विवाद या मारपीट तक पहुंच सकती है। अध्यक्ष श्री महंत रविंद्र पुरी महाराज ने यह भी कहा कि सिंहस्थ की व्यवस्था अखाड़ा परिषद की जिम्मेदारी है, इसलिए रामादल सिंहस्थ कार्यों के लिए शासन-प्रशासन के पास न जाएं। रामादल केवल अपने निजी कार्यों के लिए प्रशासन से संपर्क कर सकता है। इसमें कोई रोकटोक नहीं है।

सेवालय, वृद्धाश्रम पहुंचे अखाड़ा परिषद अध्यक्ष, कंबल व वस्त्र बांटे

उज्जैन प्रवास के दौरान बुधवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज शिप्रा तट स्थित रणजीत हनुमान मंदिर के सामने नवनिर्मित सेवालय, वृद्धाश्रम एवं नशा मुक्ति केंद्र पर पहुंचे और यहां रह रहे वृद्धजनों को कंबल एवं वस्त्र आदि सामग्री वितरित की। श्री रामनाथ जी सेवा समिति ट्रस्ट द्वारा संचालित सेवालय के बारे में ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर के महंत महावीर नाथ महाराज ने उन्हें बताया कि यहां वृद्धजनों को निशुल्क रहने व भोजन आदि की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसका शुभारंभ 12 दिसंबर को होने जा रहा है। यह जानकारी पाकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने प्रसन्नता व्यक्त की। महंत महावीर नाथ जी महाराज ने अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया।